EDII

Rajasthan Patrika

March 30, 2022
Page No. 01
Of Parivar

एंटरप्रेन्योरशिप के लिए प्रतिभा के साथ निर्णय लेने की क्षमता भी जरूरी

'पत्रिका' की पहल
बिजनेस बड़ा कैसे करें

पत्रिका बिजनेस बूस्टर

राजस्थान पत्रिका

Entrepreneurship Development Institute of India

पत्रिका समूह और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआइआइ), अहमदाबाद की संयुक्त पहल, महिलाओं को मिल रही बिजनेस बढ़ाने से जुड़ी ट्रेनिंग।

एंटरप्रेन्योरशिप शुरू करने के लिए आपके अंदर प्रतिभा के साथ निर्णय लेने की क्षमता भी होनी चाहिए। अगर आप निर्णय नहीं ले पाएंगे तो किसी काम की शुरुआत नहीं कर पाएंगे। यह कहना है कि ईडीआइआइ के प्रोजेक्ट लीडर **मुकुल वेदी** का। मुकुल पिछले कई वर्षों से महिलाओं को उद्यमिता के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं।

इन तरीकों से विकसित करें निर्णय लेने की क्षमता: मुकुल का कहना है कि महिलाएं सही निर्णय लेती हैं, लेकिन अधिकतर महिलाएं निर्णय लेने में पीछे रहती हैं। वे सोचती हैं कि मैं क्यों निर्णय लूं? इसका जवाब है कि जो निर्णय लेगा, वही पहल करेगा और आगे भी बढ़ेगा।

समस्याओं से भागे नहीं, उनका सामना करें

निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी है तो समस्याओं को फेस करें। उनसे दूर नहीं भागें। यह नहीं सोचें कि मेरे बदले कोई और यह काम करें। खुद के बॉस बनने की पहल भी यहीं से शुरू होती है।

एंटरप्रेन्योरशिप को भी देखें कॅरियर की तरह

अधिकतर महिलाएं एंटर-प्रेन्योरशिप शुरू तो करती हैं, लेकिन उसे कॅरियर के तौर पर नहीं देखतीं। उसे पार्ट टाइम ही समझती हैं। यह सोच आपके काम को और खराब करती है। इसे कॅरियर के रूप में देखें। एंटरप्रेन्योरशिप को कॅरियर के रूप में देखने से भी आप में निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।